मत्स्यकी शिक्षा का अच्छा माहौल

मुरौल | मुजफ्फरपुर कार्यालय

ढोली मत्स्यकी कॉलेज में मत्स्यकी शिक्षा का अच्छा माहौल है और यहां के छात्र देश-विदेश में परचम लहरा रहे हैं। स्वच्छ वातावरण माहौल में छात्रों को भरपूर लाभ उठाना चाहिए। यह बातें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एस.अयप्पन ने रविवार को ढोली स्थित मत्स्यकी कॉलेज परिसर में करीब एक करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले प्रायोगशाला कॉम्प्लेक्स भवन का शिलान्यास के दौरान कहीं।

उन्होंने कहा कि इस कॉलेज में मत्स्य उत्पादन के हर संशाधन उपलब्ध है। अब मनयोग से वैज्ञानिक और तकनीक से मत्स्य का उत्पादन करने की जरूरत है। इससे पहले डॉ. अयप्पन ने हेचरी कॉम्प्लेक्स, मत्स्यकी कॉलेज के प्रयोग शाला कक्ष, पुस्तकालय, एकोरियम, टीसीए ढोली के बीज केन्द्र निरीक्षण किया। इस दौरान डॉ. अयप्पन ने टीसीए ढोली में गांधी जी प्रतिमा पर माल्यापर्ण क़िया । मौके पर डीडीजी मत्स्यकी दिल्ली की डॉ. बी. मीना कुमारी, निदेशक डॉ. एपी शर्मा, लखनउ के निदेशक डॉ.जेके जेन, आरएयू पूसा के कुलपति डॉ.आरके मित्तल, मत्स्यकी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एससी राय, टीसीए ढोली के प्राचार्य डॉ. एसके वार्ष्णेय, डॉ. एके मिश्रा, डॉ. एसके सिंह, डॉ. पूनम प्रकाश आदि मौजूद थे।

ढोली कॉलेज में प्रयोगशाला के शिलान्यास के अवसर पर डीजी व अन्य।

हिन्दुस्तान
मुज़फ्फरपुर,
२४ सतिम्बर २०१२